मई माह की साधनायें

बगलामुखी जयंती पर बगलामुखी ब्रह्मास्त्र संहार साधना

शास्त्र प्रमाण है, जब-जब ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया गया है, उसका परिणाम तत्क्षण प्राप्त हुआ। यह साधना शत्रुओं पर ब्रह्मास्त्र की तरह प्रहार कर परास्त करने, उन्हें समाप्त करने तथा लड़ाई-झगड़े, मुकदमें आदि में पूर्ण सफलता देने में विशेष रूप से सहायक है। जीवन की सुरक्षा और शत्रुओं पर निर्मम प्रहार करने और उन्हें समाप्त करने की दृष्टि से यह अपने आप में अद्वितीय साधना है।

उक्त साधना जो कि दिनांक 04 मई 2025 को है जो कि अप्रैल की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 20 से 21 पर आई हुई है।

नृसिंह जयंती पर नृसिंह साधना

जीवन संघर्षों का एक अविराम क्रम होता है तथा इसमें जो क्षण भर चूका, जीवन उसकी प्राण शक्ति का हनन कर देता है। वास्तव में जीवन तो उसका कहा जा सकता है जो अपने लक्ष्यों को सिंह की भांति झपट कर प्राप्त करने की क्षमता से युक्त हो। जीवन में अभाव, तनाव, पीड़ा, दारिद्रय जैसे राक्षसों के संहार के लिये साक्षात नर केसरी की ही क्षमता की आवश्यकता है। जो कि नृसिंह साधना के द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

उक्त साधना जो कि दिनांक 11 मई 2025 को है जो कि अप्रैल की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 22 से 23 पर आई हुई है।

बुद्ध पूर्णिमा पर निखिलेश्वरानन्दाय ब्रह्म वर्चस्व साधना

जीवन को पूरिपूर्णता देने के लिये और सिद्धाश्रम का रास्ता सुगम बनाने के लिये यह प्रयोग अनिवार्य है। ब्रह्म वर्चस्व का तात्पर्य है कि हम अपने आप में सम्पूर्ण ब्रह्ममय बन सकें, हमारे जीवन में एक चिंगारी हो, एक तेजस्विता हो। ब्रह्म वर्चस्व प्रयोग तो एक ऐसा प्रयोग है, जहां व्यक्ति व्यक्ति रहता ही नहीं, शरीर शरीर नहीं रहता, वह अपने आप में ब्रह्ममय हो जाता है और एहसास करता है कि मैं अपने आप में भौतिक व आध्यात्मिक रूप से परिपर्ण हूं और मेरे जीवन में किसी प्रकार की कोई न्यूनता है ही नहीं।

उक्त साधना जो कि दिनांक 12 मई 2025 को है जो कि अप्रैल की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 25 से 26 पर आई हुई है।